# **DEPARTMENT OF MUSIC**

# **Changes Proposed - 2016-17**

# Department of Music Proposed change of the courses for Undergraduate Courses MUM 702 - Course Template

	IVIUIVI 702 - Course	e remplate
1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Bhartiya Sangeet ka Itihaas- 1800 se ab tak
3	L-T-P Structure	L-5, T-0, P-0
4	Credits	5
5	Course Number	MUM 702
6	Status (category for programme)	Faculty Major Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MTM 703
	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of	
	other Department/Centre	
8	Frequency of offering	Alternate semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting	Yes
	faculty?	
11	Course objectives indicating	1. Some of the topics are deleted because
	motivation and aims.	there was repetition.
		2. Some of the Musicologists are repeated
		in different units therefore they are
		rearranged.

Course		Existing		Justification
No.	Unit		Proposed	
MUM	Unit	अग्रलिखित भारतीय ग्रंथकारों		दो अलग अलग
702	1	का श्रुतिस्वर संबंधी अध्ययन—		उपविषय होने के
		नरेन्द्र कुमार बोस, भातखण्डे,	संबंधी अध्ययन—नरेन्द्र	कारण दोनों को
		रानाडे, रातंजनकर, बी सी	कुमार बोस, पंडित, वि.	अलग अलग
		देव, जयराज भॉय।	ना. भातखण्डे, जी. एच.	इकाइयों में विभक्त
		अग्रलिखित संगीतज्ञों की	रानाडे, श्रीकृष्ण नारायण	कर दिया गया है।

Unit 2	जीवनी एवं उनका संगीत में योगदान— फैयाज खॉ, ओंकारनाथ ठाकुर, विनायक राव पटवर्धन, बडे गुलाम अली खॉ, अमीर खॉ । अग्रलिखित ग्रंथकारों की जीवनी एवं संगीतज्ञों का संगीत में योगदान — फॉक्स स्ट्रैंग्वेंज, कोलिंस्की, बेक,क्लेमेंटस,विनायक भातखण्डे,विनायक दिगम्बर पलुस्कर, उस्ताद अलाउद्दीन खॉ,पं निखिल बनर्जी,उस्ताद विलायत खॉ, पं रविशंकर,पं	रातांजनकर, बी सी डे, जयराज़ भॉय अग्रलिखित पाष्चात्य ग्रंथकारों द्वारा श्रुतिस्वर विभाजन — फॉक्स स्ट्रैग्वेज, कोलिस्की, बेक, क्लेमेंटस	प्रथम इकाई में केवल भारतीय संगीतकारों एवं द्वितीय इकाई में पाश्चात्य संगीतकारों का श्रुति—स्वर विभाजन दिया गया है। अन्य सभी ईकाईयों को भी पुनर्व्यवस्थित किया गया है।
Unit 3	लालमणि मिश्र। आधुनिक काल में राग वर्गीकरण— रागांग पद्धति कर्नाटक संगीत का संक्षिप्त परिचयात्मक अध्ययन (स्वर,ताल,राग,रचना व प्रस्तुति के आधार पर)	अग्रलिखित कलाकारों की जीवनी व योगदान — पं0 विश्णु नारायण भातखण्डे, पं0 विश्णु दिगंबर पलुस्कर, पंडित निखिल बैनर्जी, उ. विलायत खाँ, पं रविषंकर, पं0 लालमणि मिश्र,, पं0 भीमसेन जोषी, उस्ताद बड़े गुलाम अली खाँ साहब	
Unit 4	घराना पद्धति के गुण दोष, प्रमुख घरानों का अध्ययन — जयपुर, अलाउद्दीन खाँ साहब का घराना, किराना, सैनिया।	अधुना प्रचलित राग बर्गीकरण पद्धतियाँ— ढाट राग वर्गीकरण , रागांग वर्गीकरण	
Unit 5	विद्यालयीन संगीत शिक्षण के गुण दोष दूरदर्शन तथा आकाशवाणी का संगीत के प्रसार व प्रचार में योगदान सारंगी, सरोद, पखावज,इसराज वाद्यों का अध्ययन	घराना पद्धति— गायन—वादन के विभिन्न घरानें।	

#### MSM 501 - Course Template

	Wistri 301 Course remplace		
1	Department/Centre proposing the course	Music Department	
2	Course Title	Sitar-Kriyatmak	
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-12	

4	Credits	8	
5	Course Number	MSM 501	
6	Status (category for programme)	Major Course	
7	Status vis-à-vis other courses		
7.1	Overlap with any UG/PG course of Department/Centre	MVM 501, MTM501	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other Department/Centre		
8	Frequency of offering	Alternate Semester	
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department	
10	Will the course require visiting faculty?		
11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Instead of two parallel papers as Sitar Kriyatmak and Board has decided that these papers be bifurcated Kriyatmak and MSM 502 as Sitar Manch - Pradarsha</li> <li>The Ragas prescribed separately in MSM501 and Ms</li> </ol>	

Course No.	Unit	Existing	Proposed	
	Title	सितार-कियात्मक तथा मंच प्रदर्शन	सितार कियात्मक	
MSM 501	निर्धारित राग	MSM501 Sitar-Kriyatmak & Manch Pradarshan 1 निर्धारित राग भैरव अंग—अहीर भैरव, नट भैरव, बैरागी, गुणक्री। बिलावल अंग व अन्य—देवगिरि बिलावल, यमनी बिलावल, श्री, पूरिया धनाश्री। उपशास्त्रीय वादन—खमाज निर्धारित ताल—एकताल, तीनताल	भैरव अंग— अहीर भैरव, नटभैरव, बैरागी भैरव। कल्याण अंग— श्याम कल्षाण, पूरिया कल्याण, आनन्द कल्याण मिश्रित अंग— रामकली, कालिंगड़ा, आभोगी, भिन्न षडज, देवगिरि बिलावल, श्री, पूरिया धनाश्री धुन / दादरा के राग— खमाज, काफ़ी निधारित ताले — एकताल, तीनताल, झपताल, चारताल	1.In: pap and Boa thes as M Kriy Sita 2.Th sepa sylla
	Unit 1	निधारित रागों में प्रत्येक अंग में से एक का सम्पूर्ण वादन।	विलम्बित गत – निधारित रागों में से किन्ही दो रागों में विलम्बित गत।	- MSN

Unit 2	निधारित रागों मे मध्य अथवा द्रुत गत वादन।	nzqr xr & vU; lHkh jkxksa eas e/; ;k nzqr xrA
Unit 3	निधारित रागों में किसी एक राग में तीनताल के अतिरिक्त ताल में गत।	निधारित रागों में किसी एक राग में तीनताल के अतिरिक्त ताल में गत।
Unit 4	उपशास्त्रीय वादन।	दुमरी / दादरा — राग खमाज अथवा काफी में दुमरी / दादरा अथवा धुन।
Unit 5	निधारित तालों का ठेका व लयकारियाँ।	ताले – एकताल, तीनताल, झपताल, चारताल

MSM 502 -Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department	
2	Course Title	Sitar- Manch Pradarshan	
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-12	
4	Credits	8	
5	Course Number	MSM 502	
6	Status (category for programme)	Major Course	
7	Status vis-à-vis other courses		
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MVM 502, MTM 502	
	Department/Centre		
7.2	Overlap with any UG/PG course of other		
	Department/Centre		
8	Frequency of offering	Alternate Semester	
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department	
10	Will the course require visiting faculty?		
11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Instead of two parallel papers as Sitar Kriyatma Pradarshan the Board has decided that these pages of the MSM 501 as Sitar Kriyatmak and MSM 502 as Sitar Kriyatmak and MSM 502 as Sitar Kriyatmak and MSM 502 as Sitar Kriyatmak and MSM 501 as Sitar Kriyatmak and MSM 502 as Sitar Kriyatmak and MSM 5</li></ol>	

Course	Unit	Existing		Justification
No.			Proposed	
	Title	सितार–कियात्मक	सितार –मंच	
		तथा मंच प्रदर्शन	प्रदर्शन	
MSM	निर्धारित	सितार–कियात्मक तथा	<b>भैरव अंग</b> — अहीर	
502	राग	मंच प्रदर्शन	भैरव, नटभैरव, बैरागी	
302		निर्धारित राग	भैरव।	
		कल्याण अंग-श्याम	कल्याण अंग— श्याम	
		कल्यााण, पूरिया कल्याण,	कल्याण, पूरिया	
		आनंद कल्याण, गोरख	कल्याण, आनन्द	
		कल्याण।	कल्याण	
		अन्य राग–रामकली,	मिश्रित अंग—	
		कालिंगड़ा, आभोगी,	रामकली, कालिंगड़ा,	
		भिन्नषड्ज।	आभोगी, भिन्न षडज,	
		उपशास्त्रीय गायन–तिलंग	देवगिरि बिलावल, श्री,	
		निर्धारित ताल–झपताल,	पूरिया धनाश्री	
		चारताल।	धुन / दादरा के राग—	
			खमाज, काफ़ी	
			निधारित ताले –	
			एकताल, तीनताल,	
			झपताल, चारताल	
	Unit 1	निधारित रागों मे प्रत्येक	~ · · · · · · ·	1.Instead of two
		अंग में से एक की सम्पूर्ण	निर्धारित रागों मे से	parallel papers as
		प्रस्तुति ।	एक राग की प्रस्तुति।	Sitar Kriyatmak and Manch – Pradarshan
	Unit 2	निधारित रागों मे मध्य	ठुमरी ∕ दादरा –	the Board has decided
		अथवा द्रुत गत वादन।	राग खमाज अथवा	that these papers be
			काफी में	bifurcated as MSM
	Unit 3	निधारित रागों में किसी	तुमरी / दादरा अथवा	501 as Sitar Kriyatmak
	Offices	एक राग में तीनताल के	धुन।	and MSM 502 as Sitar
		अतिरिक्त ताल में गत।		Manch - Pradarshan.
			ताले – एकताल,	2.The Ragas prescribed separately
	Unit 4	उपशास्त्रीय वादन।	तीनताल, झपताल,	in MSM501 and MSM
	Unit 4	जसारमाय पापगा	चारताल	502 are merged.
	112. 5	निधारित तालों का ठेका व		
	Unit 5	। निधारित ताला का ठका व   लयकरियाँ ।		
		( लयपगारया ।		

#### MVM 501 - Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Gayan-Kriyatmak
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-12
4	Credits	8
5	Course Number	MVM 501

6	Status (category for programme)	Major Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MSM 501, MTM501
	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	Alternate Semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	
11	Course objectives indicating motivation and aims.	1. Instead of two parallel papers as Gayanr Kriyatm

Course	Unit	Existing	Proposed	Justification
No.				
	Title	गायन–कियात्मक तथा मंच प्रदर्शन	गायन – क्रियात्मक	
MVM 501	निर्धारित राग	MVM501 Gayan- Kriyatmak & Manch Pradarshan 1 निर्धारित राग भैरव अंग—अहीर भैरव, नट भैरव, बैरागी, गुणक्री । बिलावल अंग व अन्य—देवगिरि बिलावल, यमनी बिलावल, श्री, पूरिया धनाश्री । उपशास्त्रीय गायन—खमाज निर्धारित ताल—एकताल, तीनताल	भैरव अंग— अहीर भैरव, नटभैरव, बैरागी भैरव। कल्याण अंग— श्याम कल्याण, पूरिया कल्याण, आनन्द कल्याण मिश्रित अंग— रामकली, कालिंगड़ा, आभोगी, भिन्न षडज, देवगिरि बिलावल, श्री, पूरिया धनाश्री दुमरी / दादरा के राग— खमाज, काफ़ी निधारित ताले — एकताल, तीनताल, झपताल, चारताल	

Unit 1	निधारित रागों मे प्रत्येक	विलम्बित गत	1.	Instead of two
	अंग में से एक राग की संपूर्ण गायकी।	–निधारित रागों में से किन्ही दो रागों में विलम्बित ख़याल।		parallel papers as Sitar Kriyatmak and
Unit 2	निधारित रागों मे मध्य अथवा द्रुत ख़याल का गायन।	द्रुत ख़याल &fu/kZkzfjr vU; IHkh jkxksa eas e/; ;k nzqr [k+;kyA		Manch – Pradarshan the Board has decided that these papers be bifurcated as MSM 501 as
Unit 3	निधारित रागों मे किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार।	निधारित रागों में किसी एक राग में धुपद अथवा धमार।	2.	Sitar Kriyatmak and MSM 502 as Sitar Manch - Pradarshan.
Unit 4	उपशास्त्रीय गायन।	ढुमरी—राग खमाज / काफी में ढुमरी / दादरा अथवा भजन	Ζ.	The Ragas prescribed separately in MSM501 and
Unit 5	निधारित तालों का ठेका व लयकरियाँ।	ताल — एकताल, तीनताल,झपताल, चारताल		MSM 502 are merged.

#### MVM 502 - Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Gayan- Manch Pradarshan
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-12
4	Credits	8
5	Course Number	MVM 502
6	Status (category for programme)	Major Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MSM 502, MTM 502
	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	Alternate Semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	
11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Instead of two parallel papers as Gayan Kriyatmak Pradarshan the Board has decided that these pape 501 as Gayan Kriyatmak and MVM 502 as Sitar Ma</li> <li>The Ragas prescribed separately in MVM 501 and N</li> </ol>

Course	Unit	Existing	Proposed	Justification
No.				
	Title	गयन–क्रियात्मक तथा	गायन – मंच–	
		मंच प्रदर्शन	प्रदर्शन	
MVM	निर्धारित	MVM502 Gayan-	भैरव अंग- अहीर	
502	राग	Kriyatmak &	भैरव, नटभैरव, बैरागी	
		Manch	भैरव।	
		Pradarshan 2 निर्धारित राग	कल्याण अंग— श्याम कल्षाण, पूरिया कल्याण, आनन्द	
		कल्याण अंग–श्याम	कल्याण	
		कल्यााण, पूरिया कल्याण, आनंद कल्याण, गोरख कल्याण। अन्य राग—रामकली, कालिंगड़ा, आभोगी, भिन्नषड्ज। उपशास्त्रीय गायन—तिलंग निर्धारित ताल—झपताल, चारताल।	कल्याण मिश्रित अंग— रामकली, कालिंगड़ा, आभोगी, भिन्न षडज, देवगिरि बिलावल, श्री, पूरिया धनाश्री दुमरी / दादरा के राग— खमाज, काफ़ी निधारित ताले — एकताल, तीनताल, झपताल, चारताल	
	Unit 1	निधारित रागों मे प्रत्येक अंग में से एक राग की संपूर्ण गायकी।	निधारित रागों मे से एक राग की प्रस्तुति। दुमरी/दादरा — राग	Instead of two     parallel papers     as Sitar  Krivetmak and
	Unit 2	निधारित रागों मे मध्य अथवा द्रुत ख़याल का गायन।	खमाज अथवा काफी में ठुमरी / दादरा अथवा भजन।	Kriyatmak and Manch – Pradarshan the Board has
	Unit 3	निधारित रागों मे किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार।		decided that these papers be bifurcated as MSM 501 as Sitar Kriyatmak
	Unit 4	उपशास्त्रीय गायन।		and MSM 502 as Sitar Manch -

Unit 5	निधारित तालों का		Pradarshan.
	ठेका व लयकरियाँ।	2.	The Ragas
			prescribed
			separately in
			MSM501 and
			MSM 502 are
			merged.

# MVM 601 -Course Template

Department/Centre proposing the course	Music Department
Course Title	Gayan-Kriyatmak
L-T-P Structure	L-0, T-0, P-12
Credits	8
Course Number	MVM 601
Status (category for programme)	Major Course
Status vis-à-vis other courses	
Overlap with any UG/PG course of	MSM601, MTM601
Department/Centre	
Overlap with any UG/PG course of other	
Department/Centre	
Frequency of offering	Alternate Semester
Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
Will the course require visiting faculty?	
Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Instead of two parallel papers as Gayan Kriyate Pradarshan the Board has decided that these MVM 601 as Gayan Kriyatmak and MVM 602 a Pradarshan.</li> <li>The Ragas prescribed separately in MVM 601 a merged.</li> </ol>
	Course Title  L-T-P Structure  Credits  Course Number  Status (category for programme)  Status vis-à-vis other courses  Overlap with any UG/PG course of  Department/Centre  Overlap with any UG/PG course of other  Department/Centre  Frequency of offering  Faculty who will teach the course  Will the course require visiting faculty?

Course	Unit	Existing	Proposed	Justification
No.				

MVM 601	Title	गायन–कियात्मक तथा मंच प्रदर्शन	गायन –िकयात्मक	
		MVM601 Gayan- Kriyatmmak & Manch Pradarshan 3 निर्धारित राग सारंग अंग—वृंदावनी सारंग, शुद्ध सारंग, मध्यमाद सारंग, सामंत सारंग। अन्य राग—हंसध्वनि, दुर्गा, हेमंत, बसंतमुखारी। उपशास्त्रीय गायन—काफी निर्धारित ताल—रूपक, धमार	सारंग अंग — वृंदावनी सारंग , श्रद्ध सारंग, मधुमाद सारंग बिहाग अंग — मारू बिहाग, नट बिहाग, बिहागडा मिश्रित अंग —हसंध्वनि, हेमन्त, बसन्तमुखारी, मधुक्ती कलावती व पटदीय	
	Unit 1	निर्धारित रागों मे प्रत्येक अंग में से एक राग की संपूर्ण गायकी।	निर्धारित रागों में से किन्ही दो रागों में से विलम्बित ख्याल	1.Instead of two parallel papers as Gayan Kriyatmak and Manch –
	Unit 2	निर्धारित रागों मे मध्य अथवा द्रुत ख़्याल का गायन।	अन्य सभी रागों में मध्य लय या द्रुत ख्याल	Pradarshan the Board has decided that these papers be bifurcated as
	Unit 3	निर्धारित रागों में से किसी एक राग में घुपद / धमार का गायन।	निर्धारित रागों में से किसी एक राग में घुपद /धमार का गायन।	MVM 601 as Gayan Kriyatmak and MVM 602 as Gayan Manch - Pradarshan.
	Unit 4	उपशास्त्रीय गायन।	राग देश / तिलंग में दुमरी / दादरा अथवा भजन का गायन।	2.The Ragas prescribed separately in MVM
	Unit 5	निर्धारित तालों का ठेका व लयकरियाँ।	निर्धारित ताले –रूपक , धमार दीपचंद्री तीव्रा ताल	601 and MVM 602 are merged.

#### MVM602 - Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Gayan- Manch Pradarshan
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-12
4	Credits	8
5	Course Number	MVM 602
6	Status (category for programme)	Major Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MSM602 , MTM 602

	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	Alternate Semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	
11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Instead of two parallel papers as Sitar Kriyatma Pradarshan the Board has decided that these parallel MVM 601 as Gayan Kriyatmak and MVM 602 and Pradarshan.</li> <li>The Ragas prescribed separately in MVM 601 and merged.</li> </ol>

# MSM 601 - Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Sitar-Kriyatmak
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-12
4	Credits	8
5	Course Number	MSM 601
6	Status (category for programme)	Major Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MVM 601, MTM 601
	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	Alternate semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	
11	Course objectives indicating motivation and aims.	Instead of two parallel papers as Sitar Kriyatmak and Manch – Pradars the Board has decided that these papers be bifurcated as MSM 601 a Sitar Kriyatmak and MSM 602 as Sitar Manch - Pradarshan.  1. The Ragas prescribed separately in MSM 601 and MSM 602 a merged.

Course No.	Unit	Existing	Proposed	Ju
MVM 602	Title	गायन-कियात्मक तथा मंच प्रदर्शन निर्धारित राग- बिहाग अंग-बिहाग, मारू बिहाग, बिहागड़ा, नट बिहाग। अन्य राग- मधुवंती,वाचस्पति, कलावती, पटदीप। दुमरी- राग देश।	गायन — मंच प्रदर्शन  सारंग अंग — वृंदावनी सारंग , श्रद्ध सारंग, मधुमाद सारंग बिहाग अंग — मारू बिहाग, नट बिहाग, बिहागडा मिश्रित अंग —हसंध्वनि, हेमन्त, बसन्तमुखारी, मधुक्ती कलावती व	
	Unit 1 Unit 2	निधारित रागों मे प्रत्येक अंग में से एक राग की संपूर्ण गायकी। निधारित रागों मे मध्य अथवा द्रुत ख्याल का गायन।	पटदीय ठुमरी /दादरा – राग देश /तिलंग में ठुमरी /दादरा अथवा भजन ।	1. pa Kr Pr de pa M
	Unit 3	निधारित रागों में से किसी एक राग में ध्रुपद तथा धमार।	निधारित रागों मे से एक राग की प्रस्तुति। दुमरी/दादरा – राग देश अथवा	Kr as Pr 2.
	Unit 4	उपशास्त्रीय गायन।	तिलंग में दुमरी / दादरा अथवा भजन की प्रस्तुति।	ar m
	Unit 5	निधारित तालों का ठेका व लयकरियाँ।		

Course	Unit	Existing	Proposed	Justifi
No.				
	Title	सितार–क्रियात्मक तथा मंच प्रदर्शन	सितार–कियात्मक	

			min sin sinah min ma	
MSM60 1		MSM 601 Sitar-Kriyatmmak & Manch Pradarshan 3 निर्धारित राग सारंग अंग—वृंदावनी सारंग, शुद्ध सारंग, मध्यमाद सारंग, सामंत सारंग। अन्य राग—हंसध्वनि, दुर्गा, हेमंत, बसंतमुखारी। उपशास्त्रीय गायन—काफी निर्धारित ताल—रूपक, धमार	सारंग अंग — वृंदावनी सारंग , श्रद्ध सारंग, मधुमाद सारंग बिहाग अंग — मारू बिहाग, नट बिहाग, बिहागडा मिश्रित अंग —हसंध्वनि, हेमन्त, बसन्तमुखारी, मधुवंती कलावती व पटदीप। दुमरी /दादरा — राग देश / तिलंग में दुमरी /दादरा अथवा धुन की प्रस्तुति।	
	Unit 1	निधारित रागों मे प्रत्येक अंग में से एक राग की संपूर्ण वादन शैली।	निधारित रागों में से किन्ही दो रागों में विलम्बित गत।	1.Instea as Sitar Pradars
	Unit 2	निधारित रागों मे मध्य अथवा द्रुत गत का वादन।	अन्य सभी रागों में मध्य लय या द्रुत गत।	decided bifurcat Kriyatm Sitar M
	Unit 3	निधारित रागों में से किसी एक राग में तीनताल के अतिरिक्त ताल में गत का वादन।	निधारित रागों में से किसी एक राग में तीनताल के अतिरिक्त ताल में गत का वादन।	2.The R separat MSM 6
	Unit 4	उपशास्त्रीय वादन।	राग खमाज / काफी में ढुमरी /दादरा अथवा धुन।	
	Unit 5	निधारित तालों का ठेका व लयकरियाँ।	निधारित ताले –रूपक , धमार, दीपचंद्री तीव्रा ताल।	

MSM 602 -Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Sitar – Manch Pradarshan
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-12
4	Credits	8
5	Course Number	MSM 602
6	Status (category for programme)	Major Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MVM 602, MTM 602
	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	Alternate Semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	
11	Course objectives indicating motivation and aims.	1. Instead of two parallel papers as Sitar Kriyatmak an
		the Board has decided that these papers be bifurca

	Kriyatmak and MSM 602 as Sitar Manch - Pradarsh  2. The Ragas prescribed separately in MSM601 and M
--	---

Course	Unit	Existing	Proposed	Justification
No.				
MSM	Title	सितार–कियात्मक तथा मंच प्रदर्शन	सितार–मंच प्रदर्शन	
602				
		निर्धारित राग— बिहाग अंग—बिहाग, मारू बिहाग, बिहागड़ा, नट बिहाग। अन्य राग— मधुवंती,वाचस्पति, कलावती, पटदीप। ठुमरी— राग देश।	निर्धारित राग —सारंग अंग — वृंदावनी सारंग , श्रद्ध सारंग, मधुमाद सारंग। बिहाग अंग — मारू बिहाग, नट बिहाग, बिहागडा। मिश्रित अंग —हसंध्वनि, हेमन्त, बसन्तमुखारी, मधुक्ती कलावती व पटदीप। दुमरी / दादरा — राग तिलंग / देश में दुमरी / दादरा अथवा धुन की	
	Unit 1	निधारित रागों मे प्रत्येक अंग में से एक राग की संपूर्ण प्रस्तुति।	प्रस्तुति। निधारित रागों मे से एक राग की संपूर्ण प्रस्तुति।	1.Instead of two p Kriyatmak and Ma Board has decided
	Unit 2	निधारित रागों मे मध्य अथवा द्रुत गत का वादन।	ठुमरी / दादरा — राग खमाज अथवा काफी में ठुमरी / दादरा अथवा भजन।	bifurcated as MSN and MSM 602 as Pradarshan. 2.The Ragas preso
	Unit 3	निधारित रागों में से किसी एक राग में तीनताल के अतिरिक्त ताल में गत।		MSM601 and MSI
	Unit 4	उपशास्त्रीय वादन।		
	Unit 5	निधारित तालों का ठेका व लयकारियाँ।		

A new Certificate Course is proposed for new students who have completed B.A. from other Universities this course. This course will commence from October to March in all the three streams of Music i.e. Vocal, Sitar and Tabla as Sangeet Setu.

MSS 101 - Course Template

		7 101 Course remplate
1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Sitar-Kriyatmak & Manch Pradarshan
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-6
4	Credits	4
5	Course Number	MSS 101
6	Status (category for programme)	Certificate Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MVS 101, MTS 101
	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	
11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Since the results of some of the other Universities a declared very late. The students of these Universities unable to get admissions in DEI.</li> <li>Secondly, the courses and standard of Teaching and of BA honours DEI is higher than the BA III year of Universities.</li> <li>That is why the Department proposes to introduce Course in all three streams, which will start from O December and again from January to March.</li> <li>These students will learn with BA honours students Department.</li> </ol>

Course	Unit		Proposed	Justification
No.		Existing		
	Title		सितार कियात्मक	4. Since the results
MSS 101	निर्धारित राग		भैरव अंग— अहीर भैरव, नटभैरव,। कल्याण अंग— श्याम कल्षाण, पूरिया कल्याण,	of some of the other Universities are declared very late. The
	Unit 1		विलम्बित गत — निधारित रागों में से किसी एक रागों में विलम्बित गत।	students of these Universities are

Unit 2	nzqr xr & vU; lHkh jkxksa eas e/; ;k nzqr xrA	5.	unable to get admissions in DEI. Secondly, the
Unit 3	निधारित रागों में किसी एक राग में तीनताल के अतिरिक्त ताल में गत।		courses and standard of Teaching and Learning of BA honours DEI is
Unit 4	दादरा – दादरा अथवा धुन।		higher than the BA III year of other
Unit 5	ताले — एकताल, तीनताल, चारताल	with BA	Universities. That is why the Department proposes to introduce this Setu Course in all three streams, which will start from October to December and again from January to March. tudents will learn honours s of the

MVS 101 - Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Gayan-Kriyatmak & Manch Pradarshan
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-6
4	Credits	4
5	Course Number	MVS 101
6	Status (category for programme)	Certificate Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MSS 101, MTS 101
	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	Alternate Semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	

11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Since the results of some of the other University very late. The students of these Universities are admissions in DEI.</li> </ol>
		<ol> <li>Secondly, the courses and standard of Teaching of BA honours DEI is higher than the BA III yea Universities.</li> </ol>
		<ol> <li>That is why the Department proposes to introd Course in all three streams, which will start from December and again from January to March.</li> <li>These students will learn with BA honours students Department.</li> </ol>

Course	Unit		Proposed	Justification
No.		Existing		
	Title		सितार कियात्मक	1. Since the results of
MVS 101	निर्धारित राग		भैरव अंग— अहीर भैरव, नटभैरव,। कल्याण अंग— श्याम कल्याण, पूरिया कल्याण,	some of the other Universities are declared very late. The students of these
	Unit 1		विलम्बित ख़्याल — निधारित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित गत।	Universities are unable to get admissions in
	Unit 2		द्रुत ख़्याल — अन्य सभी रागों में मध्य या द्रुत ख़्याल।	DEI.  2. Secondly, the courses and standard of Teaching and Learning of BA honours DEI is higher than the BA III year of other Universities.  3. That is why the Department proposes to introduce this Setu Course in all three streams, which will start from October to December and again from January to March. These students will learn with BA honours students of the Department.
	Unit 3		निधारित रागों में किसी एक राग में	
			ध्रुपद या धमार।	
	Unit 4		दादरा – दादरा अथवा भजन।	

Unit 5	ताले – एकताल, तीनताल, चारताल	
Office	The state of the s	

MSS 201 - Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Sitar -Kriyatmak & Manch Pradarshan
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-6
4	Credits	4
5	Course Number	MSS 201
6	Status (category for programme)	Certificate Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of	MVS 201, MTS 201
	Department/Centre	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	
11	Course objectives indicating motivation and aims.	Since the results of some of the other Universities     admissions in DEI.
		<ol> <li>Secondly, the courses and standard of Teac BA honours DEI is higher than the BA III ye Universities.</li> </ol>
		<ol> <li>That is why the Department proposes to int Course in all three streams, which will start December and again from January to March</li> </ol>
ı		These students will learn with BA honours students of

Course No.	Unit	Existing	Proposed	Justification
NACC201	Title		सितार-कियात्मक मधुमाद सारंग, मारू बिहाग,	1.Since the results of some of the other Universities are declared
MSS201			मधुवंती, कलावती टुमरी /दादरा – राग देश / तिलंग में टुमरी /दादरा अथवा धुन की प्रस्तुति।	very late. The students of these Universities are unable to get admissions in DEI.  2. Secondly, the courses and standard of Teaching and Learning of BA honours DEI is higher than the BA III year of other Universities.  3. That is why the Department proposes to introduce this Setu Course in all three streams, which will start from October to December and again from January to March.  These students will learn with BA honours students of the Department.
	Unit 1		निधारित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित गत।	
	Unit 2		अन्य सभी रागों में मध्य लय या द्रुत गत।	
	Unit 3		निधारित रागों में से किसी एक राग में तीनताल के अतिरिक्त ताल में गत का वादन।	
	Unit 4		दादरा अथवा धुन।	
	Unit 5		निधारित ताले —रूपक , धमार, झपताल।	

#### MVS 201 - Course Template

		•
1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Gayan-Kriyatmak & Manch Pradarshan
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-6
4	Credits	4
5	Course Number	MVS 201
6	Status (category for programme)	Certificate Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of Department/Centre	MSS 201, MTS 201
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	

8	Frequency of offering	Alternate Semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	
11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Since the results of some of the other very late. The students of these Universities.</li> <li>Secondly, the courses and standard of BA honours DEI is higher than the B. Universities.</li> <li>That is why the Department propose Course in all three streams, which wield December and again from January to</li> </ol>
		These students will learn with BA honours students of

Course	Unit	Existing	Proposed	Justification
No.				
	Title		गायन-कियात्मक	1. Since the results of
MVS201			निर्धारित राग—मधुमाद सारंग, मारू बिहाग, मधुवंती, कलावती	some of the other Universities are declared very late. The students of these Universities are unable to get admissions in DEI. 2. Secondly, the courses and standard of Teaching and Learning of BA honours DEI is higher than the BA III year of other Universities.  1. That is why the Department proposes to introduce this Setu Course in all three streams, which will start from October to December and again from January to March. These students will learn with BA honours students of the Department.
	Unit 1		निधारित रागों में से किसी एक राग में विलम्बित ख़याल।	
	Unit 2		अन्य सभी रागों में मध्य लय या द्रुत ख़याल।	
	Unit 3		एक ध्रुपद अथवा धमार।	
	Unit 4		दादरा अथवा भजन।	
	Unit 5		निधारित ताले —रूपक , धमार, झपताल।	

#### MTS 101 Course Template

1	Department/Centre proposing the course	Music Department
2	Course Title	Tabla - Kriyatmak & Manch Pradarshan
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-6
4	Credits	4
5	Course Number	MTS 101
6	Status (category for programme)	Certificate Course
7	Status vis-à-vis other courses	
7.1	Overlap with any UG/PG course of Department/Centre	MSS and 101, MVS 101
7.2	Overlap with any UG/PG course of other	
	Department/Centre	
8	Frequency of offering	Alternate Semester
9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	No
11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Since the results of some of the other Universities students of these Universities are unable to get ad</li> <li>Secondly, the courses and standard of Teaching ar DEI is higher than the BA III year of other Universi</li> <li>That is why the Department proposes to introduce three streams, which will start from October to De January to March.</li> <li>These students will learn with BA honours student</li> </ol>

Course	Unit		Proposed	Justification
No.		Existing		
	Title		तबला कियात्मक एवं	1. Since the results of
			मंच—प्रदर्शन	some of the other

	0.0	Г		
MTS101	निर्धारित		तीनताल, झपताल, तीव्रा ताल,	Universities are
	ताल		बसंत ताल, कहरवा एवं दादरा	declared very late. The
			ताल	students of these
	Unit 1		तीनताल का विस्तृत अध्ययन	Universities are unable
	Official		ता तिति यम विर्मुत ठाउवव ।	to get admissions in
				DEI.
				2. Secondly, the courses
	Unit 2		झपताल का विस्तृत अध्ययन	and standard of
				Teaching and Learning
				of BA honours DEI is
				higher than the BA III
	Unit 3		तीव्रा व बसंत ताल में तिहाईयां	year of other
			एवं परनें	Universities.
				3. That is why the
				Department proposes
				to introduce this Setu
	Unit 4		कहरवा व दादरा ताल के	Course in all three
			प्रकार व लग्गियां	streams, which will
				start from October to
				December and again
				from January to March.
				These students will learn with
				BA honours students of the
				Department.
	Unit 5		1. निर्धारित तालों में लहरे	2 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5 5
	311103		बजाना	
			2. अपने वाद्य को स्वर में	
			मिलाने का ज्ञान	

#### MTS 201

### **Course Template**

1	Department/Centre proposing the course	Music Department	
2	Course Title	Tabla - Kriyatmak & Manch Pradarshan	
3	L-T-P Structure	L-0, T-0, P-6	
4	Credits	4	
5	Course Number	MTS 201	
6	Status (category for programme)	Certificate Course	
7	Status vis-à-vis other courses		
7.1	Overlap with any UG/PG course of Department/Centre	MSS and 201, MVS 201	
7.2	Overlap with any UG/PG course of other		
	Department/Centre		
8	Frequency of offering	Alternate Semester	

9	Faculty who will teach the course	Faculty of Music Department
10	Will the course require visiting faculty?	No
11	Course objectives indicating motivation and aims.	<ol> <li>Since the results of some of the other Universities are students of these Universities are unable to get admiss</li> <li>Secondly, the courses and standard of Teaching and Le is higher than the BA III year of other Universities.</li> <li>That is why the Department proposes to introduce this streams, which will start from October to December and March.</li> <li>These students will learn with BA honours students of</li> </ol>

Course No.	Unit	Existing	Proposed	Justification
	Title		तबला–कियात्मक	
MTS201	निर्धारित ताल		आड़ाचारताल, 9 मात्रा की कोई ताल–बंद बोंलों की, गणेश ताल, ब्रह्मताल, सूलताल	
	Unit 1		आड़ाचारताल का विस्तृत अध्ययन	Since the results of some     of the other Universities     are declared very late.  The students of these
	Unit 2		9 मात्रा की ताल का विस्तृत अध्ययन	The students of these Universities are unable to get admissions in DEI. 2. Secondly, the courses
	Unit 3		सूलताल में परनें व तिहाईयां	and standard of Teaching and Learning of BA honours DEI is higher than the BA III year of other Universities.
	Unit 4		गणेश ताल व ब्रह्मताल के ठेके व तिहाईयां	That is why the     Department proposes to     introduce this Setu
	Unit 5		1. निर्धारित तालों में लहरे बजाना 2. अपने वाद्य को स्वर में मिलाने का ज्ञान	Course in all three streams, which will start from October to December and again from January to March. These students will learn with BA honours students of the Department